

27/02/25

काज पत्रावली पेश हुई। वहस
उभयपक्षकारान पर मनत करने एवं
पत्रावली में उपलब्ध दस्तावेजात का अध्ययन
करने पर प्राची का प्रा. पत्र 212 खारिज
किया जाता है। विस्तृत निर्णय पृथक से
लिखा जाकर शा.मि. हो। पत्रावली मेंसम
सुमार होकर नंबर से कम होकर संलग्न
मूलवाद है।

सहायक कलेक्टर
असाव (राज.)